विभाग ः १ गदय विभाग

प्र.१)अ) निम्नलिखित पठित गदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः -

राजेंद्र बाबू की मुखाकृति ही नहीं, उनके शरीर के संपूर्ण गठन में एक सामान्य भारतीय जन की आकृति और गठन की छाया थी, अतः उन्हें देखने वाले को कोई न कोई आकृति या व्यक्ति स्मरण हो आता था और वह अनुभव करने लगता था कि इस प्रकार के व्यक्ति को पहले भी कहीं देखा है । आकृति तथा वेशभूषा के समान ही वे अपने स्वभाव और रहन-सहन में सामान्य भारतीय या भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे । प्रतिभा और बुद्धि की विशिष्टता के साथ-साथ उन्हें जो गंभीर संवेदना प्राप्त हुई थी, वही उनकी सामान्यता को गरिमा प्रदान करती थी । व्यापकता ही सामान्यता की शपथ है परंतु व्यापकता, संवेदना की गहराई में स्थिति बनाए रखती है ।

उनकी वेशभूषा की अस्त-व्यस्तता के साथ उनके निजी सचिव और सहचर भाई चक्रधर जी का स्मरण अनायास हो आता है । जब मोजों में से पाँचों उँगलियाँ बाहर निकलने लगतीं, जब जूते के तले पैर के तलवों के गवाक्ष बनने लगते, जब धोती, कुरते, कोट आदि का खद्दर अपने मूल ताने-बाने में बदलने लगता, तब चक्रधर इस पुरातन सज्जा को अपने लिए सहेज लेते । उन्होंने वर्षों तक इसी प्रकार राजेंद्र बाबू के पुराने परिधान से अपने आपको प्रसाधित कर कृतार्थता का अनुभव किया था । मैंने ऐसे गुरु-शिष्य या स्वामी-सेवक अब तक नहीं देखे ।

(१) संजाल पूर्ण किजिए ः

१. [ ] [ ] ← राजेंद्र बाबू में सामान्य भारतीय जन संबंधी विशेषताएँ → [ ] [ ]

(२) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग तथा प्रत्ययुक्त शब्द बनाकर लिखिए ः २

...... ← सफल → ......

...... ← गंध → ......

(३) 'किसानों के पहनावों का नेताओं पर प्रभाव' विषय पर अपने विचार लिखिए | २

प्र.१)आ) निम्नलिखित पठित गदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः -

आदमी : महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती । यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है । इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है ।

हवा : महाराज, यह आरोप झूठा है । बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है । अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू । पहले ऐसा नहीं होता था । आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं । उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ । इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है । मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे । इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें । कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ ।

आदमी : लेकिन तुम अचानक चलकर हमारी आँखों में मिट्टी डाल देती हो, सब कुछ तबाह कर देती हो, क्या इसका हमने तुम्हें न्योता दिया था ?

हवा : मैं किसी के निमंत्रण का इंतजार नहीं करती । चलना मेरा काम है । आप कहते हो तो लो, मैंने चलना बंद किया । **(हवा का**

(१) आकृति पूर्ण किजिए ः

१. [ ] [ ] — हवा ने राजा से यह शिकायत की — [ ] [ ] २

(२) १) कृदंत बनाइए ः १

१) फैलना – . . . .   २) लगना – . . . .

२) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द -युग्म लिखिए | १

१) . . . .   २) . . . .

(३) 'कारखानों से निकालने वाली जहरीली गैसें वायु प्रदूषण का कारण है' विषय पर अपने विचार २५ से ३0 शब्दों में लिखिए | २

विभाग ः २ पद्य विभाग

प्र.२)अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉं कीजिए ः –

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं।।

जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ।।

जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल।।

(१) कृती पूर्ण कीजिए ः २

१) लिखिए
- → फूल बोने का परिणाम ....
- → काँटे बोने का परणिाम ....

२) लिखिए
- → किनारे पर यह बैठा रहता है ....
- → वन में कस्तूरी यह ढूँढ़ता है ....

(३) पदयांश की पहली दो पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३0 शब्दों में लिखिए | २

प्र.२)आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉं कीजिए ः –

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है ।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है ।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है ।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है ।।

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं ।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं ।।
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं ।।
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं ।।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए ः 1

श्री कृष्ण की शोभा बढ़ाने वाले घटक

(२) निम्नलिखित शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए ः १

१) जिसका कोई खंड नहीं होता – . . . .

२) जिसका अंत नहीं है – . . . .

(३) 'सुसंस्कारों से मनुष्य का व्यक्तित्व संपन्न बनता है' इस पर अपने विचार लिखिए ः २

विभाग ३ - पूरक पठन (८)

प्र.३) अ) निम्नलिखित पठित गदयांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (४)

सिरचन जाति का कारीगर है । मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता । फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त ।... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता- "फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम ! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं ।" बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर ! दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता । सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं । तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ; दुम हिलाता हुआ हाजिर हो जाएगा। खाने-पीने में चिकनाई की कमी हुई कि काम की सारी चिकनाई खत्म ! काम अधूरा रखकर उठ खड़ा होगा - "आज तो अब अधकपाली दर्द से माथा टनटना रहा है ।

थोड़ा-सा रह गया है, किसी दिन आकर पूरा कर दूँगा।" "किसी दिन' माने कभी नहीं ! मोथी घास और पटरे की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी - चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी-टोपी तथा इसी तरह के बहुत-से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता । यह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे देने की कोई जरूरत नहीं । पेट भर खिला दो, काम पूरा होने पर एकाध पुराना-धुराना कपड़ा देकर विदा करो । वह कुछ भी नहीं बोलेगा ।

उत्तर लिखिए:

(i) सिरचन को आकर्षित करने वाली चीजें –

(ii) सिरचन के स्वयं के बारे में विचार –

२. कार्य में तन्मयता लाती है सफलता विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

आ निम्नलिखित पठित गदयांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉं कीजिए (४)

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसीं आँखें ।

चलती साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन ।

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश ।

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर ।

सागर में भी.
रहकर मछली
प्यासी ही रही ।

१) i) तालिका पूर्ण कीजिएः

	स्थिति	निवास-स्थान
मछली		
सितारे		

ii) उत्तर कीजिएः
१. छिपे हुए.........
२. अमर हुए......

२) **मन के जीते जीत है, इस विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।**

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) (१४)

१) **अधोरेकित शब्दों का शब्द भेद पहचानकर लिखिए** (१)
गोवा में <u>खूबसूरत</u> सागर तट है।

२) **निम्नलिखित अव्ययो का अपने वाक्यो मे प्रयोग कीजिए** (१)
इर्द-गिर्द

३) **कृति पूर्ण कीजिए** (१)

शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
प्रश्नोत्तर	....	......

४) **निम्नलिखित वाक्यों से सहायक क्रियाऍं पहचानकर उनका मूल रुप लिखिए** (१)
देशी और विलायती संग्रह अगर मिले तो फिर पढना चाहूँगा।

५) निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा दूवितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए। (१)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रुप	दवितीय प्रेरणार्थक रुप
भिगना	....	......
डोलना	....	......

६) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग किजिए। (१)
शिकार होना

अथवा

अधोरेकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए
अंजाम देना

७) निम्नलिखित वाकयों मे प्रयुक्त में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए (१)
तकिए से रुई नीचे गिर रही थी।

८) निम्नलिखित वाकयों मे यथास्थान उचित विरामचिन्हो का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए (१)
क्रिकेट खिलाडी की प्रशंसा करते हुए उन्होने कहा, एक दिन तुम देश का नाम रोशन करोगे

९) निम्नलिखित वाकयों का सूचनाओं के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (२)
मै एकाध साल का मार्जिन रखूँगा (सामान्य वर्तमानकाल)

१०) १. निम्नलिखित वाकयों का सूचनाओं के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए (१)
गाय सबको मारने की कोशिश करती या फिर उछलती-कूदती।

२.निम्नलिखित वाकयों का अर्थें के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन भेद कीजिए
अर्थ तो मेरी कविताओं में आपको मिल सकता है। (संदेहबोधक वाक्य)

११) निम्नलिखित वाकय शुध्द करके फिर से लिखिए (१)
क्रोध से उसकी नेत्र लाल हो गऐ।
अब मैं अपने टागों की ओर देखता है।

<u>विभाग ५ - रचना विभाग (उपयोजित लेखन)</u>

प्र.५ अ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

(१) पत्रलेखन : (५)

रंजन/रंजना मांजरेकर, हेमेंद्र कुटीर , सुभाषचंद्र मार्ग, ठाणे से नागपुर में पढ रहे अपने छोटे भाई नीरज को परीक्षा की तैयारी हेतु पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

आदित्य बोरकर,आदित्य सदन, इंदिरा नगर, कस्तूरबा गांधी मार्ग, औरंगाबाद से पुलिस इंस्पेक्टर, पुलिस स्टेशन, शिवाजी नगर, औरंगाबाद -४३१००१ को लाउड स्पीकरों के शोर से होने वाली परेशानियों की शिकायत करते हुए पत्र लिखता है।

(२) गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति ।

निम्नलिखित गदयांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए : जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो । (४)

पुस्तक का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है । मानव ने सर्वप्रथम पुस्तक का आरंभ अपने अनुभूत ज्ञान को विस्मृति से बचाने के लिए किया था। विकास के आदिकाल में पत्ते, ताड़पत्र, ताम्रपत्र आदि साधन इस ज्ञानसंग्रह के सहायक रहे हैं, ऐसा पुस्तक का इतिहास स्वयं बताता है। पुस्तकें मानव को अपना अनुभव विस्तृत करने में सहायक होती हैं, साथ ही इन्होंने हमारे पूर्वजों के सभी प्रकार के कृत्यों को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी सँभाली हुई है। आज के युग में प्राचीन वीरों, धार्मिक महात्माओं, ऋषियों, नाटककारों, कवियों आदि का पता हम इन्हीं पुस्तकों के सहारे पाते हैं। पुस्तकें ही अंतरराष्ट्रीय विचारक्षेत्र में विभिन्न देशों के दृष्टिकोणों को एक आधार पर सोचने के लिए बाध्य करती हैं।

आ) (१) वृत्तांत लेखन कीजिए (५)

गाला विदयालय, नाशिक - ४२२००२ के प्रांगण में मनाए बाल दिवस का ७० ो ८० शब्दों मं वृत्तांत लेखन किजिए।
वृतांत मे स्थल, काल,घटना का उल्लेख अनिवार्य है।

अथवा

निम्नलिखित मुददो के आधार पर ७० से८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए
एक सुंदर वन - इंद्र का आगमन - वन का सौंदर्य देखन - सूखे पेड पर तोते को देखना - सवाल पूछना-तोते का जबाब- इंद्र का वरदान - सीख।

(२)निम्नलिखित जानकारियों के आधार पर ५० से ६० शब्दो मे विज्ञापन लेखन (५)

इ) निबंध लेखन (७)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (लगभग ६० से ७० शब्द)

१. यदि रात न होती

२. मेरा प्रिय नेता